मेरे पापा काम पर नहीं जाते!

मदीना स्प्रे नोलन

चित्र: जिम लामार्चे

मेरे पापा काम पर नहीं जाते!

मदीना स्प्रे नोलन

चित्र: जिम लामार्चे

मेरे पापा काम पर नहीं जाते.

अगर उन्हें कोई काम मिलता तो वो रोज़ जाते.
वो रोज नौकरी की तलाश में बाहर जाते हैं.
लेकिन उन्हें कहीं कोई नौकरी नहीं मिलती है.

वो कहते हैं, "परिस्थितियां बहुत खराब हैं."

मेरी माँ कहती हैं, "तुम चिंता मत करो.
तुम्हें कुछ काम ज़रूर मिल जाएगा.
और देखो, मेरी नौकरी अभी भी बरक़रार है.
हम ठीक-ठाक हैं."

"वो मुझे पता है," पापा ने कहा.
"हमारा घर ठीक-ठाक चल रहा है."

पापा जब घर पर होते हैं तो मुझे बहुत अच्छा लगता है.

वह मेरे साथ बॉल खेलते हैं, और स्कूल से लौटने के बाद वो मेरी बातें सुनते हैं.

मैं कहती हूं, "आप बुरा मत मानें पापा.
आपको अभी एक लंबी छुट्टी मिली है
ताकि आप मेरे साथ रह सकें!"

"इतनी लम्बी छुट्टी!" पापा ने कहा.
लेकिन फिर वो हंस पड़े. मुझे लगता है कि
उसके बाद उन्होंने बेहतर महसूस किया होगा.

स्कूल में लुआन ने मुझ से कहा, "तुम्हारे डैडी काम पर नहीं जाते - वो घर पर ही रहते है और खाना बनाते हैं! हा!-हा!"

"तो क्या हुआ!" मैंने कहा.
"मेरे डैडी पूरी दुनिया में सबसे अच्छे कुक हैं!"

और सच में वो हैं भी.

मैं चाहती तो लुआन को नीचे धक्का दे सकती थी और उसके ऊपर बैठ सकती थी.

लेकिन मेरे पापा ने कहा, "तुम किसी को क्यों मारना चाहती हो? क्या उससे तुम पहले की तुलना में बेहतर बनोगी?"

"उससे मुझे अधिक बेहतर लगता," मैंने कहा. लेकिन मैं वही करने की कोशिश करती हूं जो पापा कहते हैं.

उस दिन जब मैं स्कूल के बाद खेलकर वापिस आई तो पापा और माँ किचन में थे. वे बड़े उदास लग रहे थे.

"क्या हुआ?" मैंने उनसे पूछा.

एक मिनट के लिए किसी ने कोई जवाब नहीं दिया. फिर डैडी ने कहा, "मैं कुछ समय के लिए घर से दूर जाने की सोच रहा था. कहीं और नौकरी ढूंढने के लिए."

"माँ के बिना?" मैंने कहा. "और मेरे बिना?"

माँ सिंक के ऊपर खिड़की के बाहर देख रही थीं. "मैं जो कमाती हूँ क्या उस पर ज़िंदा रहना बहुत कठिन है?" उन्होंने कहा. "क्या तुम्हारा रोज़ नौकरी पर जाना एकदम ज़रूरी है? क्या नौकरी के कारण हम अपने परिवार को तोड़ दें?"

"मैं नहीं चाहती कि आप कहीं जाएँ!" मैंने कहा. "हम साथ क्यों नहीं रह सकते?"

फिर मैं रोने लगी. "ऐसी नौकरी किस काम की जिसमें पापा को हमें छोड़कर जाना पड़े?"

"मुझे नहीं पता," पिताजी ने कहा.

फिर पापा ने मुझे उठाया. वो खुद भी रो रहे थे. "मैं तुम्हारे बिना कहीं नहीं जाना चाहता," उन्होंने कहा. "कभी-कभी मैं बस निराश हो जाता हूँ!"

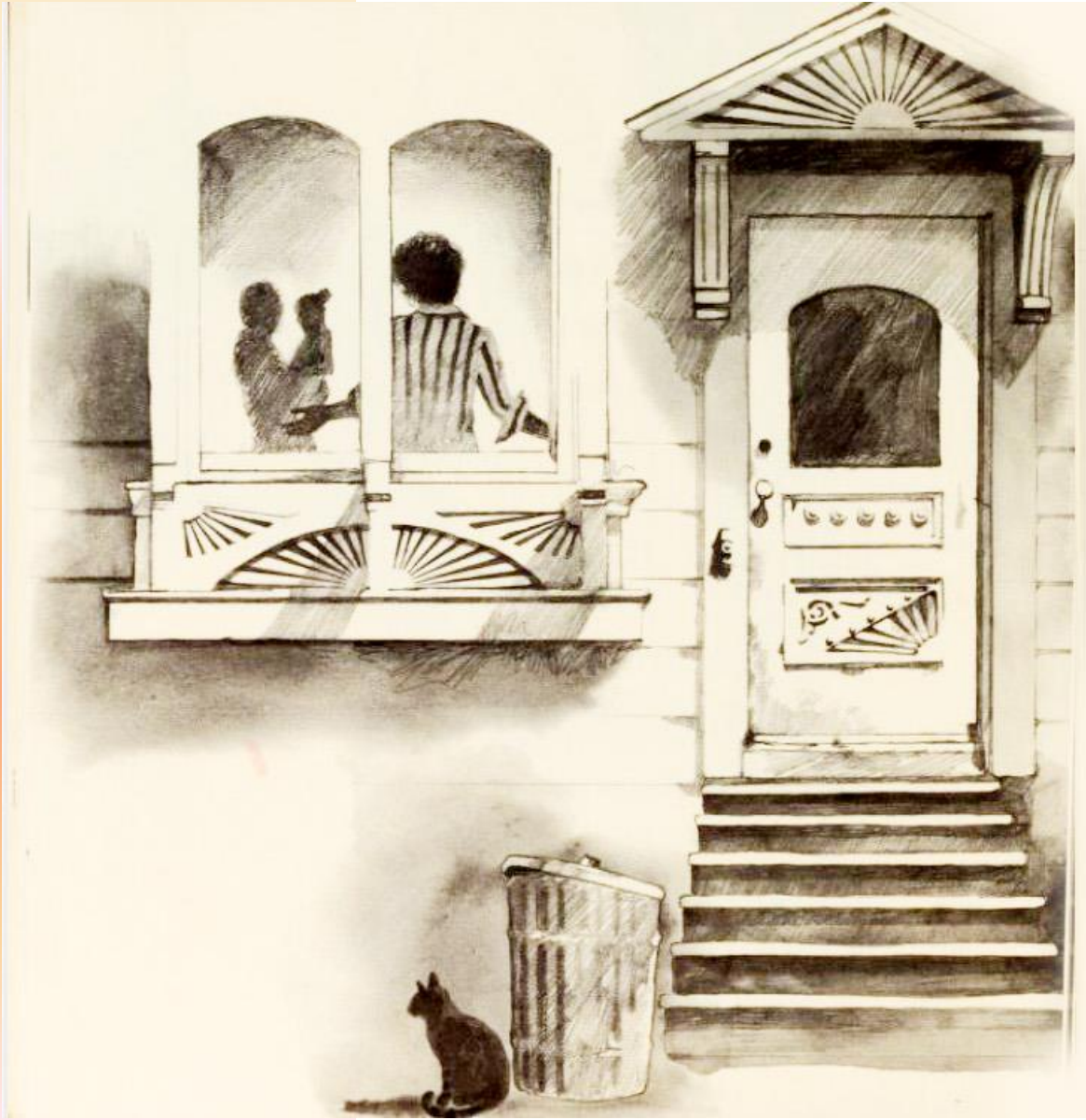

"तुम्हारे साथ वैसा होता है," मेरी माँ ने कहा. जब वो खिड़की से मुड़ीं, तब हम उनके चेहरे के आँसू देख पाए. "लेकिन कुछ-न-कुछ अच्छा ज़रूर होगा," उन्होंने कहा. "वैसा होना ही चाहिए."

"हम आपसे बहुत प्यार करते हैं, पापा," मैंने कहा. "भले ही आपको कभी भी नौकरी न मिले!"

पापा ने हमें देखा. "और मैं भी तुमसे प्यार करता हूँ," उन्होंने कहा. फिर वो मुस्करा दिए.

फिर उन्होंने कहा, "मैं चिंता करना बंद कर दूंगा. मुझे जल्द ही मुझे कोई-न-कोई नौकरी ज़रूर मिल जाएगी. इस बीच, मैं दुनिया का सबसे अच्छा रसोइया बनने की कोशिश करूंगा. और मैं रात के खाने के लिए अब तक का सबसे उम्दा सब्ज़ियों का सूप बनाऊंगा!"

फिर उन्होंने मुझे नीचे रखा और माँ को गले लगाया.

जब माँ डबलरोटी काट रही थीं और नींबू-पानी बना रही थीं तो मैंने टेबल सेट की.

"सब ठीक हो जाएगा पापा," मैंने कहा.

"मुझे वो पता है," उन्होंने कहा. "सब कुछ अच्छा होगा!"

और फिर हम सब वहाँ पर दुनिया का सबसे
अच्छा सब्जी का सूप खाने को बैठे.